राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 15.00 संख्या 37
करोड़पति
www.akfunworld.co.nr
फाइटर टोड्स
अप्पूघर
स्टाल नंबर 13
APP CORNER
GIANT Slide
FUN
by अनुपम

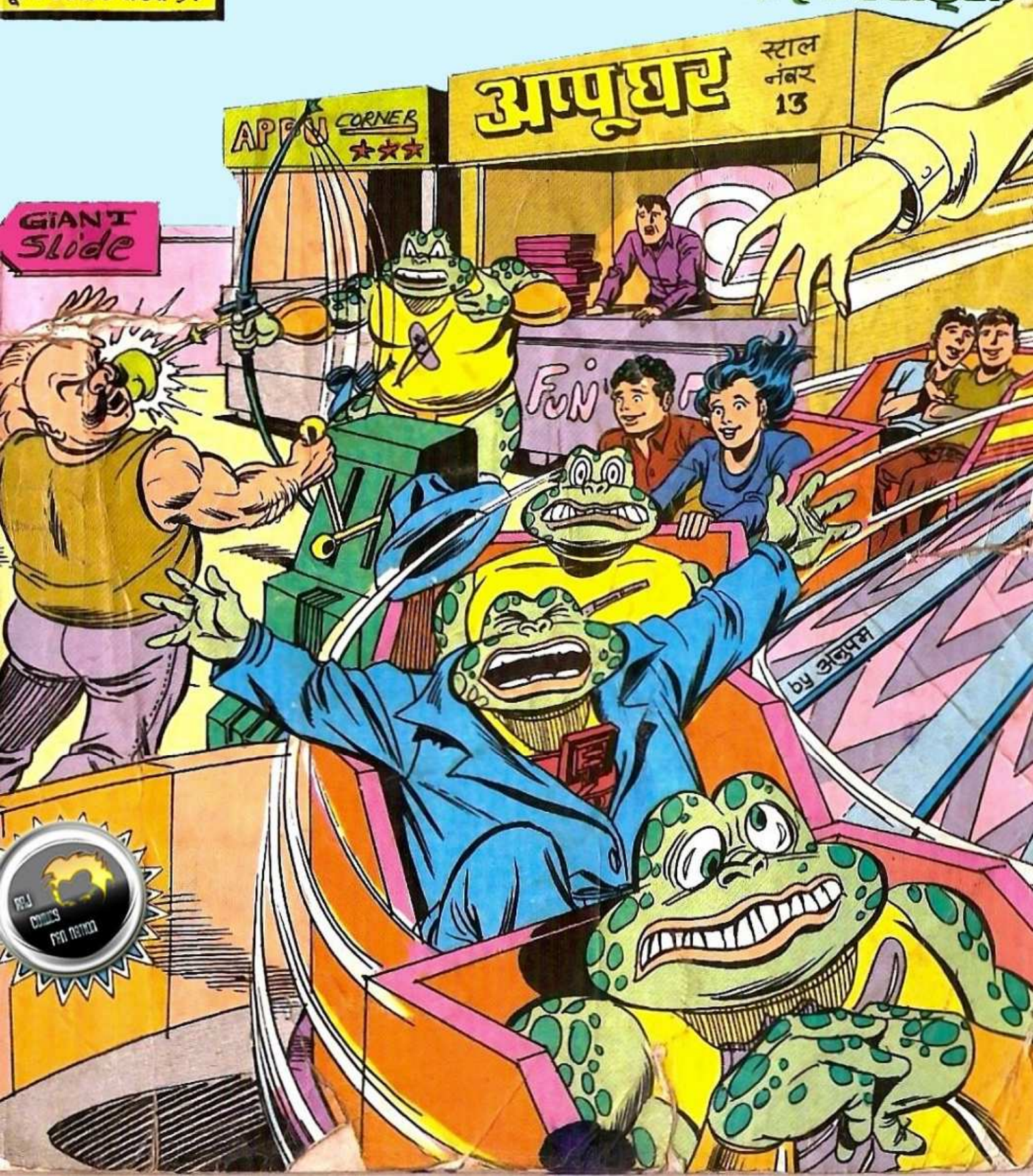

प्रकाशन तिथि:
24 फरवरी, 95

## इसी सैट के कॉमिक्स

- करोड़पति (फाइटर टोड्स का विशेषांक)
  इस विशेषांक के साथ सुपर स्टीकर मुफ्त
- उड़ती मौत (सुपर कमांडो ध्रुव)
- लेजी (भेड़िया)
- डॉक्टर नो (परमाणु)
- बांकेलाल और कोढ़ी राजा
- अमीबा (थ्रिल हॉरर सस्पैंस)

## आगामी सैट के कॉमिक्स

- वुल्फा (भेड़िया का विशेषांक)
- चंडकाल की वापसी (सुपर कमांडो ध्रुव)
- सुपर बॉय (डोगा)
- कलयुग (अश्वराज)
- डंक (गोजो)
- कब्जा (थ्रिल हॉरर सस्पैंस)

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन प्रकाशक : राजा पॉकेट बुक्स, /1, बुराड़ी दिल्ली-9 दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज 313 दरीबा कलां, दिल्ली

# फाइटर टोड्स

लेखक: अनुपम सिन्हा

सम्पादक: मनीष गुप्ता

चित्रांकन: अनुपम सिन्हा: विनोद कुमार

इस बार तो, प्यारे पाठको फाइटर टोड्स ने एक ऐसा करोड़ों बमों का धमाका कर दिया, जो हमारे नन्हें - मुन्ने ६० पेजों में आना असंभव हो गया! धमाका ज़ोरदार है, लेकिन कहीं यह धमाका इस कॉमिक के बाहर न निकल जाए, इसीलिए हमने इसमें थोड़ी काट-छांट कर दी! इसीलिए इसकी शुरुआत हम आपको बोलकर सुना देते हैं! तो सुनो ...

सुबह-सवेरे, एक दिन कंप्यूटर को गटर की नाली में बहता अखबार का एक टुकड़ा मिला! जिसमें अप्पू घर के बारे में बहुत कुछ लिखा था। बस फिर क्या था, फाइटर टोड्स निकल पड़े अप्पू घर की रंगीनियों का मज़ा लेने और जा टकराए एक टैक्सी ड्राइवर से—

© Raja Pocket Books
WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

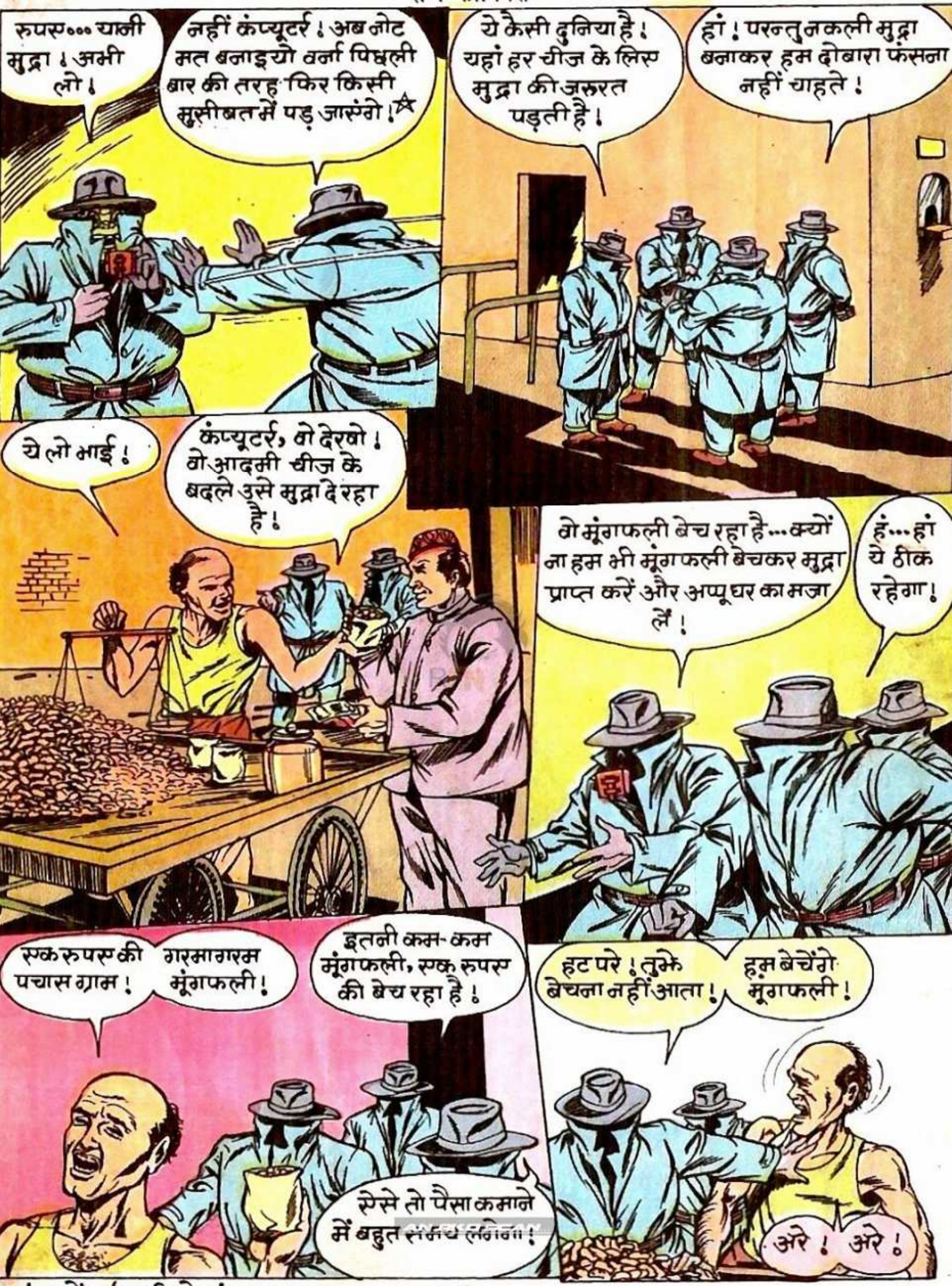
रुपए... यानी मुद्रा। अभी लो।
नहीं कंप्यूटर! अब नोट मत बनाइयो वर्ना पिछली बार की तरह फिर किसी मुसीबत में पड़ जाएंगे!
ये कैसी दुनिया है! यहां हर चीज के लिए मुद्रा की जरूरत पड़ती है।
हां! परन्तु नकली मुद्रा बनाकर हम दोबारा फंसना नहीं चाहते!
ये लो भाई!
कंप्यूटर, वो देखो! वो आदमी चीज के बदले उसे मुद्रा दे रहा है!
वो मूंगफली बेच रहा है... क्यों ना हम भी मूंगफली बेचकर मुद्रा प्राप्त करें और अप्पू घर का मजा लें!
हं... हां ये ठीक रहेगा!
एक रुपए की पचास ग्राम!
गरमागरम मूंगफली!
इतनी कम-कम मूंगफली, एक रुपए की बेच रहा है!
हट परे! तुझे बेचना नहीं आता!
हम बेचेंगे मूंगफली!
ऐसे तो पैसा कमाने में बहुत समय लगेगा!
अरे! अरे!

मूंगफली ! एक रुपए किलो !
गरमागरम मूंगफली !
एक किलो मुझे !
अबे पीछे हट !
पहले मेरा नम्बर है !
अरे कोई रोको उसे !
वो मेरा दीवाला पीट रहा है !
उई ! मेरा पांव !
कुछही मिनटों बाद—
रोता क्यों है ? देख हमने तेरी मूंगफली मिनटों में बेच दी ! और वह भी पूरे पन्द्रह रुपए में !
हम अपनी फीस के दस रुपए रख लेते हैं ! बाकी पांच रुपए तू रख ले !
श ssss ! शोर मत कर ! उसका नाम शूटर है !
अगर उसने सुन लिया तो दिवाला छोड़कर तुझे पीटने लगेगा !
मेरी तीन सौ रुपए की मूंगफली कुल पन्द्रह रुपए में बेच दी... बहू हू हू... !
मैं तुम्हारी रिपोर्ट पुलिस में करूंगा ! हाई कोर्ट में तुम पर दावा करूंगा... सुप्रीम कोर्ट में अपील करूंगा !
अरे, चंडाल चौकड़ी... मेरा किराया तो देते जाओ वर्ना मेरी बीवी मुझे मारेगी गोली चूस के !
हांई ! ये तो टिकट भी मूंगफली बेचकर खरीद रहे हैं ! मेरा किराया कहां से देंगे !
से... अन्दर कहां जाता है ? पहले टिकट लेकर आ !
AN RKO SCAN

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

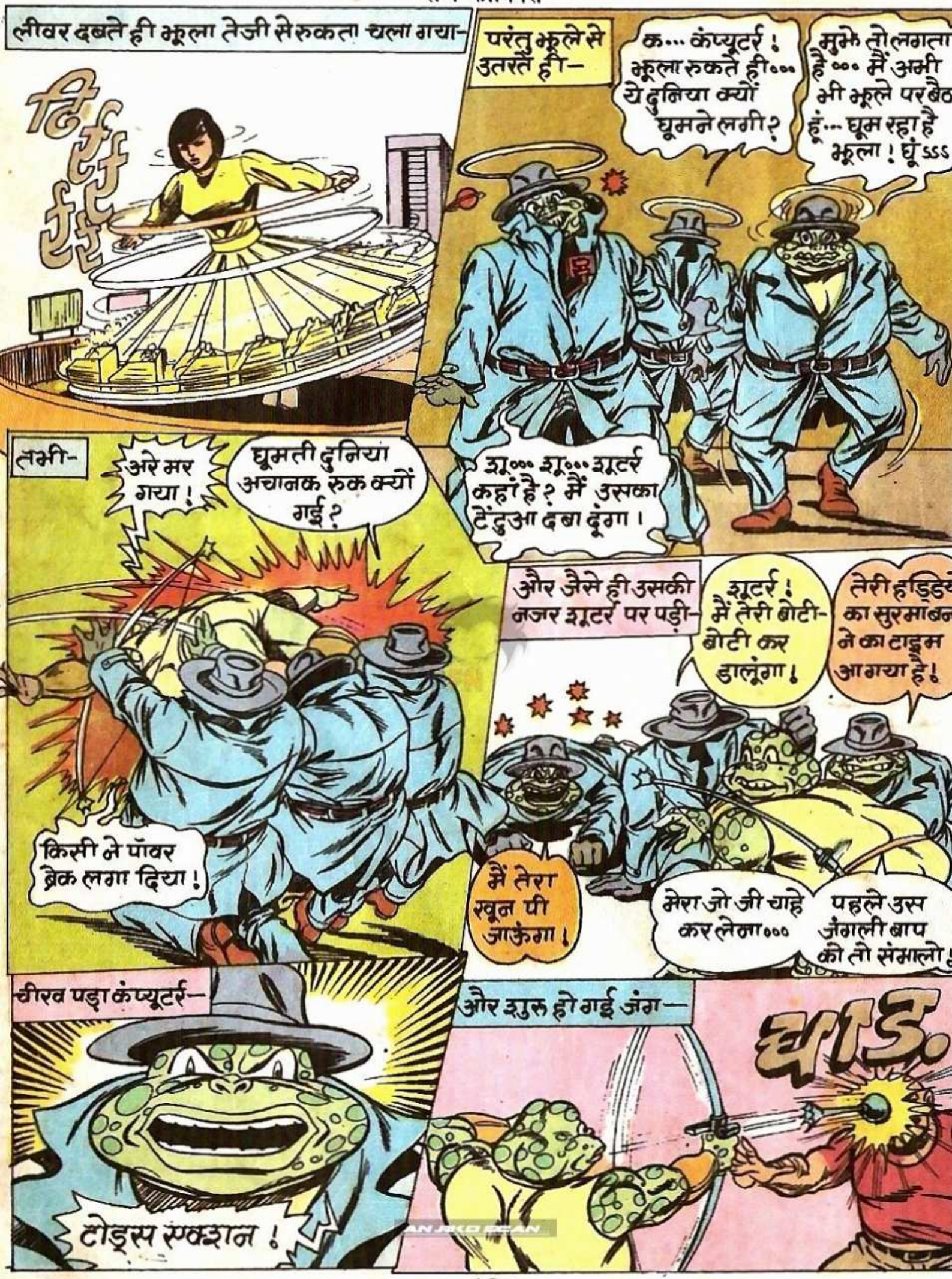




WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

सारे सूटकेस, टैक्सी में रख दिए गए—

अरे, शूटर्र ! अब कहां चला ?

यार कबाड़ी ! एक बार हट्टा-कट्टा और बोल दे ।

हट्टा-कट्टा !

एक बार और ।

हट्टा-कट्टा

बस एक बार और !

हट्टा-कट्टा

एक मिनट ! मुझे एक जरूरी काम याद आ गया !

भगवान तेरी आत्मा को शान्ति दे ।

टैक्सी फिर उड़ चली—

अब तो मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि तुम कोई भूत-वूत नहीं, बल्कि किसी स्मग्लर गैंग के आदमी हो गोली चूस के ।

स्मग्लर ! यानी तस्कर यानी अपराधी !

क्या कहा हम अपराधी हैं । मैं तेरी गर्दन तोड़कर उस पर कुत्ते का सिर लगा दूंगा

ये 'स्मग्लर' क्या होता है कंप्यूटर्र ?

अर्रर्र ! मेरी गर्दन छोड़ो, वर्ना एक्सीडेंट हो जाएगा गोली चूस के ।

तो फिर अपने शब्द वापस ले और बोल हम स्मग्लर नहीं हैं ।

और अगर पुलिस ने ! पकड़ लिया तो जमानत भी नहीं होगी ।

ये जमानत क्या होती है कंप्यूटर्र ?

POLICE

अगर तुम स्मग्लर नहीं हो तो इतना रुपया तुम्हें गो क्यों देने लगा भला !

ANJKOSCAN



WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

AN RKO SCAN



WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.DR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.PKOSCANS.CO.NR

मैं जाऊंगा!
नहीं... मैं जाऊंगा!
ए... क्या बात है? तुम आपस में लड़ क्यों रहे हो?
देखिए ना मैनेजर साब... कमरा नम्बर चार सौ बीस के मेहमानों ने खाना मुझसे मांगा है, और ये कहता है मैं लेकर जाऊंगा।
लेकिन चार सौ बीस नम्बर का चार्ज मुझे मिला है। तू साफ-साफ क्यों नहीं कहता कि तुझे टिप के दस हजार चाहिए।
टिप के दस हजार।
हां, मैनेजर साब! कमरा नम्बर चार सौ बीस के मेहमानों को कुछ भी सर्व करो वो टिप में दस हजार रुपए देते हैं। ये इसीलिए जिद कर रहा है।
शट अप!
तुम दोनों नीचे जाओ। खाना लेकर मैं जाऊंगा!
उफ्फ... ये तो हमने बैठे-बिठाए मुसीबत मोल ले ली। इतने बैरे हर समय हमारे पीछे लगे रहते हैं। हम भागेंगे कैसे?
कोई मुश्किल काम नहीं है। उन्हें क्या पता कि हम एक बार बाहर जाकर वापस नहीं आएंगे!
AN RKO SCAN

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ाने में आने से पहले मास्टर ताश
न पत्ते अपनी जेब के हवाले कर
था—
अरे, मोटा जुआ खेलना है तो हमसे खेलो!
और कुछ ही क्षणों में पत्ते खान और मास्टर आमने-सामने थे—
ये मेरी चाल एक लाख की!
खान... वो देख आसामी है। आज दिखा दे हाथ की सफाई... और साबित तेरा नाम पत्ते खान यूंही नहीं है!
चिन्ता मत करो खच्चर! इन्हें कंगाल करके ही भेजूंगा!
मुझे कितने की चाल चलनी है फट्टे खान?
खान नहीं खान!
हां यार, वही सही। अब जल्दी बता कितना चलूं?
ाख।
हूं... ये लो!
अयं... ये-ये एक लाख की चाल थी?
क्यों? कम थे क्या? और ले?
माई गॉड! ये तो कोई पागल लगता है... वर्ना एक लाख के बदले चार लाख न डालता।
त्ते खान एक बार और के मुद्रा कम है, ताकि मैं ड्डियां और डाल सकूं।
पत्ते खान... लगता है उसके पास तुमसे ज्यादा अच्छे पत्ते हैं।
जब पत्ते खान पत्ते बांटता है तो वो अपनी मर्जी के पत्ते लेता है। तुम घबराओ मत खच्चर मेरे पास तीन इक्के हैं।
मास्टर भी बड़ी सफाई से अपने पत्ते बदल चुका था जेब में पहले से रखे सबसे छोटे पत्तों से—

उधर शूटर, कटर और कंप्यूटर इधर-उधर घूमते हुए मौज कर रहे थे—
कंप्यूटर का तो बुरा हाल था—
उफ्फ! ये कैसी गंध है जो दिमाग में चढ़ती जा रही है?
चढ़ गई, चढ़ गई, चढ़ गई हिच्च अंगूर की बेटी चढ़ गई हिच्च!
ये मेरा दिमाग क्यों चकरा रहा है?
कंप्यूटर को तो सूंघ-सूंघकर ही नशा चढ़ गया था—
और उधर पत्तों का शो होते ही हंगामा खड़ा हो गया—
ऐसा कैसे हो स
तीन इक्के तो मे
हैं फिर तेरे पास त
इक्के कहां से अ
ओह! इसके पत्तों पर भी सिर्फ एक-एक ही निशान हैं। यानी इसके पत्ते भी सबसे छोटे हैं। लगता है ये भी हमारी तरह मुद्रा से भरे सूटकेसों से छुटकारा पाना चाहता है...
इस
छोटे
लेकर
आया
देख बे टूटे खां... ये तीन अक्के मेरे हैं... तेरे झूठे हैं... तू बेईमानी कर... आह!
अबे, तेरे पत्ते दूसरी गड्डी के हैं! इस पर दूसरा डिजाइन बना है। बेईमान तो तू है!
मास्टर पर हाथ उठाता है! अब मैं देख तेरी क्या गत बनाता हूं?
ये तूने क्या कि
हारने के लिए जि
सबसे छोटे पत्ते स
वो फ्लैश के सब
पत्ते होते
अब चुपचा
हार मान ले
देखो पत्तेखान... गलती हमारी ही थी। तुम बाजी जीत गए। अब सारा पैसा तुम्हारा है।
अच्छा हुआ ये पैसे छोड़
तुमने अपनी जान बचा ली वर्ना
की ये फौज तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े
AN RKD SCAN

क कटर और शूटर भी मस्ती
र, जुआखाने में आ पहुंचे थे-
क्या हो गया, मास्टर?
शि... शिष... मास्टर क्या बोल गया, शूटर?
रहने दे! क्यों दिमाग लगाता है? कंप्यूटर के साथ चिपक-चिपक कर दो चार शब्द सीख गया होगा!
! तो दो और लेकर है!
अब पीटने में मजा आएगा!
कुछ नहीं! जरा इनको शिष्टाचार का पाठ पढ़ाने जा रहा था!
हां, तो पत्ते खान, मुद्रा तो हम वैसे भी देने आए थे। मगर उसके बदले हमें कुछ चाहिए नहीं था...
लिए घूंसा वापस र रहा हूं।
आई!
सने गत्तेखान... अर्रर... बापर हाथ उठाया... की टांग तोड़ दो... नहीं- ं, हाथ तोड़ दो।
गुंडे टोड की तरफ लपके-
और टोप हवा में उड़ गए-
धाड़
भड़ाक
ऽऽ! खच्चर! ये तो भूत हैं!
भूत नहीं... मे... मेढक हैं।
अबे, 'जी हॉरर शो' हंस-हंस कर देखता है!
ये भी वैसा ही मेकअप किए हुए हैं। हमें डराने के लिए। डर मत, पीट!

एक्चर से 'तर्क ज्ञान' मिलते ही गुंडों का डर दूर हो गया।
आऊं! ये तो फिर वही पुरानी सिचुएशन आ गई। हम फिर से पिट रहे हैं, मास्टर!
ये कंप्यूटर का बच्चा कहां मर गया! उससे बगैर 'टोड्स स्क्वाड' सुने हममें जोश नहीं आएगा!
रसीले! कंप्यूटर को ढूंढ कर ला!
रसीला तो वैसे भी खिसकने का मौका ढूंढ ही रहा था।
पर उसने कंप्यूटर को ढूंढने में ज्यादा समय नहीं लगाया—
अरे आप यहां बैठे हैं, वहां दिशूम शुरू हो चुकी है गोली चूस के!
मैं बैठा कहां हूं... मैं तो उड़ रहा हूं... फुर्ररर!
अरे मेरे बाप! उड़कर ही सही, चलो तो!
ठीक है! चल...ओ हिच्च!
फाइटर टोड्स मुसीबत में थे—
उफ! ये कम कमबख्त ठीक लगता नहीं!
सर्कस में छः साल जोकर की तरह उछल-कूद की है पप्पू!

मगर मेरा निशाना एकदम सटीक होता है... देख तू भी सीधा गोल में जाकर गिरेगा।
धड़.
ईयायाऊऊ।
अब तक रसीला कंप्यूटर को खींचकर, घटनास्थल तक ले आया था।
अबे, सब लड़... लड़ रहे हैं, और तू... खामोश तमाशा देख रहा है ... हिच्च!
टोड्स एक्शन बोल नशेड़ी, गोली चूस के।
गोली चूस के।
अबे, गोली-चूस के नहीं; ये तो मैं बोलता हूं गोली चूसके... आह!
...शे में लहराते कंप्यूटर को तो ...दमाश का घूंसा नहीं लगा...
..लेकिन रसीला धूल चाट गया।
अबे, रसीले! तू 'खड़ा' से 'पड़ा' कैसे हो गया? हिच्च! तेरी चवन्नी गिर गई है क्या?
ये ऐसे नहीं मानेगा। इसे गंगा स्नान करवाना पड़ेगा!
कंप्यूटर, जल्दी से आ जा! वर्ना तेरे पीछे कुत्ते छोड़ दूंगा।
तेरी तलवार की धार पर जंग लग गई है। कल नई तलवार लेकर आइयो। फिलहाल तो गाना गा।
AN RKO SCAN

www.rkoscans.co.nr

www.rkcscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

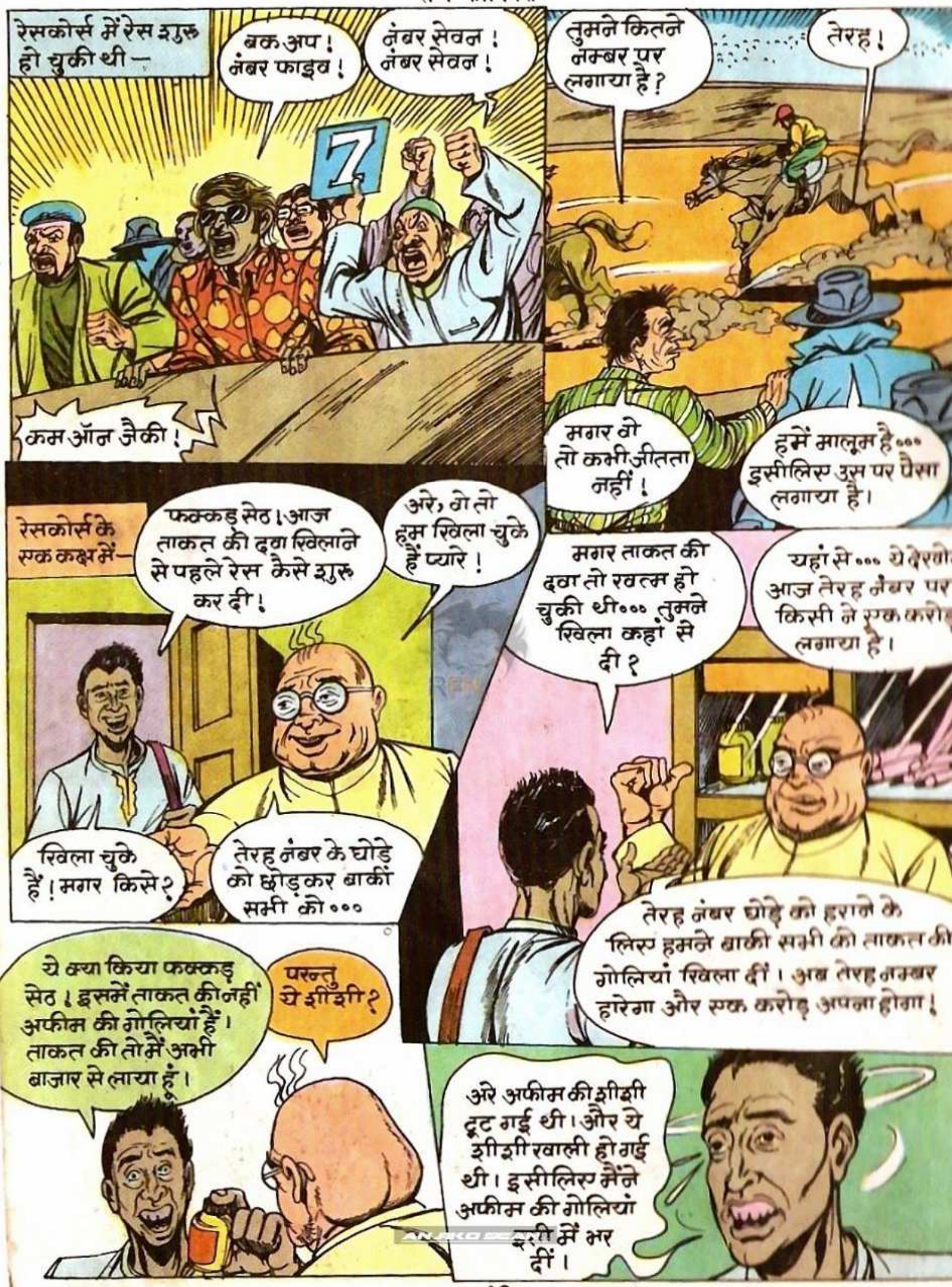




www.rkoscans.co.nr

www.pkoscope.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

AN RKO SCAN
www.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

AN RKO SCAN

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ही टैक्सी रोककर
ला बाहर आया—
धोखेबाज!
ताड़
आह्ह्याऽऽऽ! अरे
एक ही झापड़ में!
मैं पिटने को तैयार हूं भैया... मगर ये तो बता दो मेरे दांत तोड़कर मुझे जवानी में ही बुड्ढा करने पर क्यों तुले हो गोली चूस के!
तू हमें बैंक में फंसाकर भागा क्यों था?
एक ही सांस में कबाड़ी
सारी बातें बताता चला गया-
तो तूने ये बात पहले क्यों नहीं बताई?
तुमने बताने का
गोली चूस के!
और टोडस ज्योंही कबाड़ी के अड्डे पर पहुंचे-
वेलकम-वेलकम... हट्टा-कट्टा एण्ड पार्टी का कबाड़ी स्वागत करता है।
अरे! मैं तो तुझे
कानून के हवाले करने आया था,
मेरा दिल गार्डन-गार्डन कर दिया।
उफ्फ! ये बूढ़ा तो फिर
गड़बड़ करने लगा!
AN AKD SCAN

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

akfunworld's
universe of
comics.....
www.akfunworld.co.nr

कंप्यूटर्र ने एक कबाड़ के कंप्यूटर को, अपने 'स्वर्णनगरी' की तकनीक से बने कंप्यूटर से चेक करना चाहा, और यही बन गई उनके लिए मुसीब
की जड़! खड़ा हो गया इस जड़ से मुसीबत का एक पूरा पेड़...कंडम। जिसमें थी एक अद्भुत शक्ति। नई से नई चीजों को भी छूते ही 'कबाड़'में
बदल देने की शक्ति–

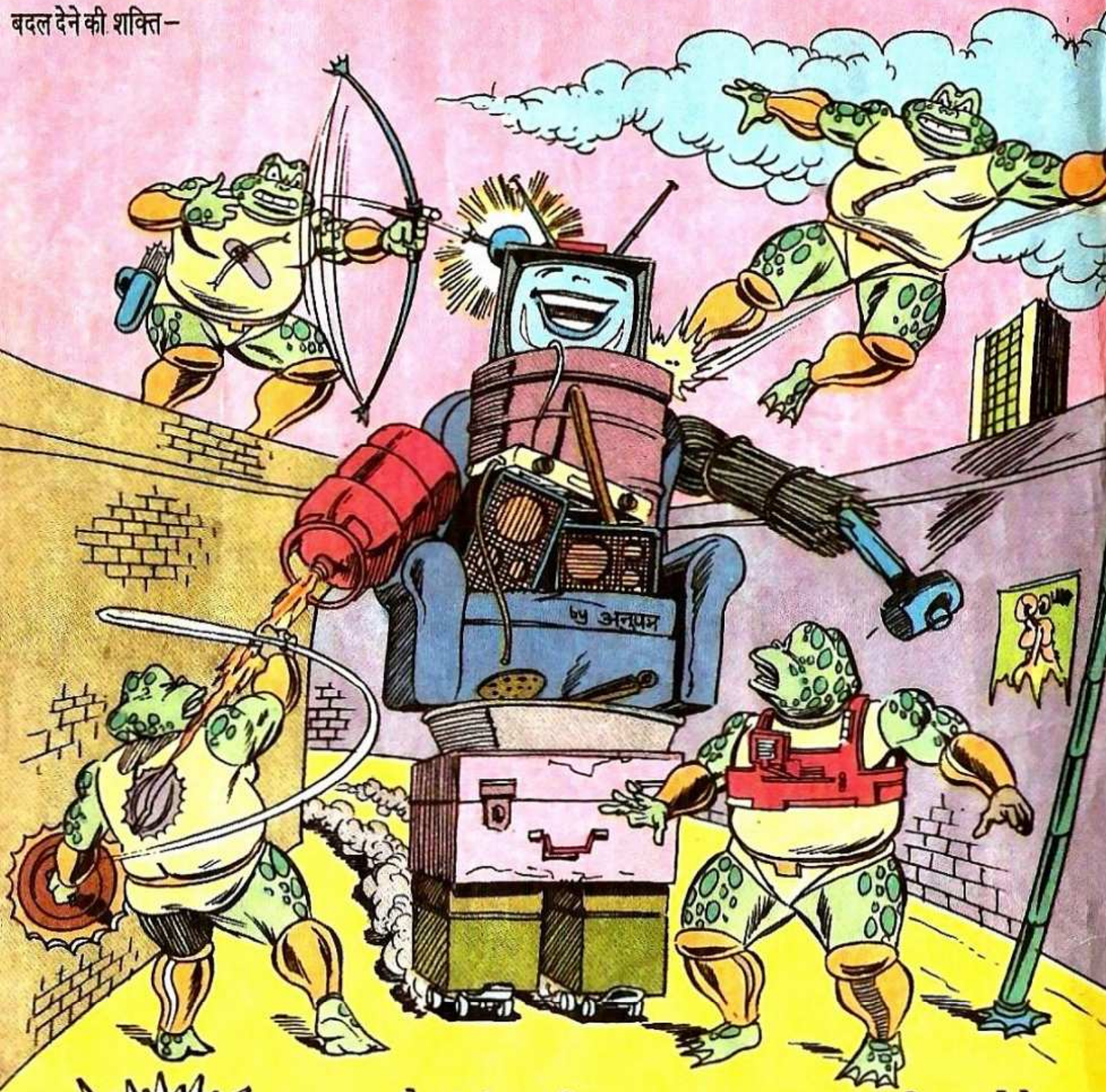


मूल्य: 15/-

...और 'कंडम' निकल चुका था महानगर को बना देने...

# कबाड़नगर

फाइटर टोड्स का एक और एटमी धमाका।

प्रकाशन तिथि : 2 मई,

# राज कॉमिक्स में

## नागराज के अब तक के प्रकाशित कॉमिक्स

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- हांगकांग की यात्रा
- नागराज और शांगो
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयंकारी मणि
- शंकर शहंशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज कालदूत
- जादूगर शक्रूरा
- नागराज और बौना शैतान
- ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- काबुकी का खजाना
- नागराज और थोडांगा
- नागराज तूफान-जू
- जादू का शहंशाह
- अजगर का तूफान
- बकोरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- नागराज और मिस्टर 420
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और नगीना
- नगीना का जाल
- नागराज और बुगाकू
- फिर आया नागदंत
- नागराज और वेमवेम बिगेलो
- नागराज और तूतेनतू
- नागराज और मिस किलर
- अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज

## सुपर कमांडो ध्रुव के अब तक प्रकाशित कॉमिक्स

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- लहू के प्यासे
- रूहों का शिकंजा
- महामानव
- वू-डू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- ब्लैक कैट
- सामरी की ज्वाला
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- डाक्टर वायरस
- आत्मा के चोर
- वेम्पायर
- सुप्रीमा
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- किरीगी का कहर
- खूनी खिलौने
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- मैंने मारा ध्रुव को
- दलदल
- उड़ती मौत